



Brij Rai

12 Mar 2018

02:10 AM

Cooch Bihar

Model: Web-MyKundli

Order No: 121190901

शुभभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তারিখ _____: 11-12/03/2018
দিন _____: রবি-সোমবার
জন্ম সময় _____: 02:10:00 ঘন্টা
ইন্ট _____: 50:59:58 ঘটা
স্থান _____: Cooch Bihar
রাজ্য _____: West Bengal
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 26:18:00 উত্তর
রেখাংশ _____: 89:32:00 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: 00:28:08 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 02:38:08 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: -00:10:04 ঘন্টা
সাম্পাতিক কাল _____: 13:55:58 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 05:46:00 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 17:38:16 ঘন্টা
দিনমান _____: 11:52:16 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: উত্তরায়ণ
সূর্য স্থিতি -গোল _____: দক্ষিণ
ঋতু _____: বসন্ত
সূর্য ডিগ্রী _____: 27:06:31 কুন্ড
লগ্ন ডিগ্রী _____: 21:43:35 ধনু

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: ধনু - বৃহস্পতি
রাশি-স্বামী _____: ধনু - বৃহস্পতি
নক্ষত্র-চরণ _____: পূর্বাষাঢ়া - 3
নক্ষত্র-স্বামী _____: শুক্র
যোগ _____: বরিয়ান
করণ _____: বিষ্টি
গণ _____: নর
যোনি _____: বানর
নাড়ী _____: অন্ত্য
বর্ণ _____: ক্ষত্রিয়
বশ্য _____: মানব
বর্গ _____: মূষক
মুন্ড _____: অন্ত্য
হংসক _____: অগ্নি
জন্ম নামাক্ষর _____: ফা-ফণি
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: স্বর্ণ - তাম্র
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: মীন

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____ :
বাবার নাম _____ :
মায়ের নাম _____ :
জাতি _____ :
গোত্র _____ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিশ্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1939	ফাল্গুন	21
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2074	ফাল্গুন	29
বাংলা	সন্ : 1424	ফাল্গুন	27
তামিল	সম্বৎ : 2074	মাসি	28
কেরালা	কোল্লম : 1193	কুন্তম্	28
নেপালী	সম্বৎ : 2074	ফাল্গুন	28
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2074	চৈত্র	কৃষ্ণ 10
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2074	ফাল্গুন	কৃষ্ণ 10

পঞ্জিকা

সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 9
তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 08:35:30
জন্ম তিথি _____ : 10
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : মূলা
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল _____ : 06:28:11 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : পূর্বাষাঢ়া
সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : ব্যতিপাত
যোগ সমাপ্ত কাল _____ : 19:40:30 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : বরিয়ান
সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : গণ
করণ সমাপ্ত কাল _____ : 08:35:30 ঘন্টা
জন্মকালীন করণ _____ : বিষ্টি
ভয়ৎ _____ : 49:14:33
ভাবক _____ : 67:44:45
ভোগ্য দশা _____ : শুক্র 5 ব 5 মা 18 দি

ঘাত চক্র

মাস _____ : শ্রাবণ
তিথি _____ : 3-8-13
দিন _____ : শুক্রবার
নক্ষত্র _____ : ভরণী
যোগ _____ : বজ্র
করণ _____ : তৈতিল
প্রহর _____ : 1
বর্গ _____ : মার্জার
লগ্ন _____ : ধনু
সূর্য _____ : তুলা
চন্দ্র _____ : মীন
মঙ্গল _____ : বৃশ্চিক
বুধ _____ : সিংহ
বৃহস্পতি _____ : ধনু
শুক্র _____ : কুন্ত
শনি _____ : কন্যা
রাহু _____ : কুন্ত

Astro RK SHAKYA

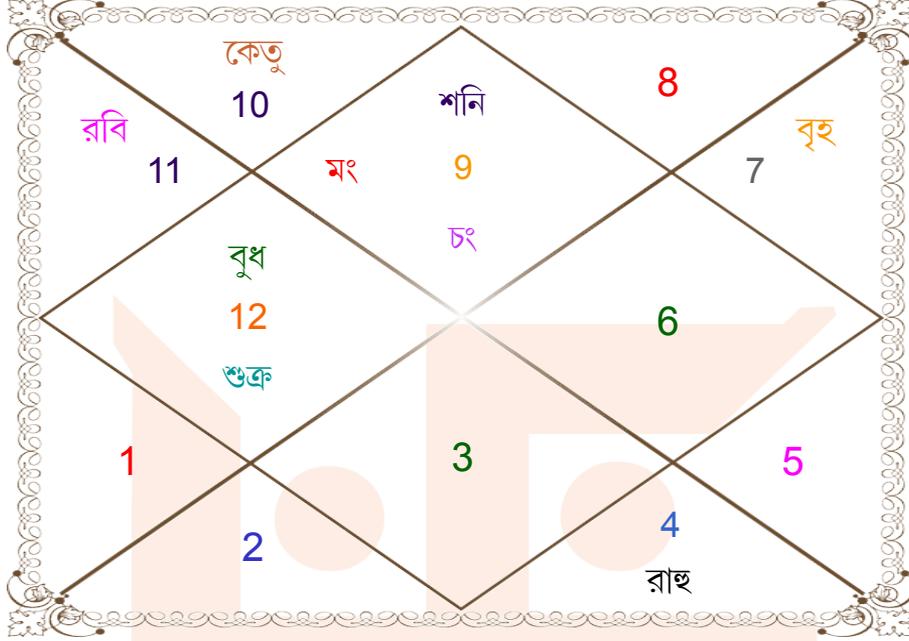
Jaipur, Rajasthan

8949754174

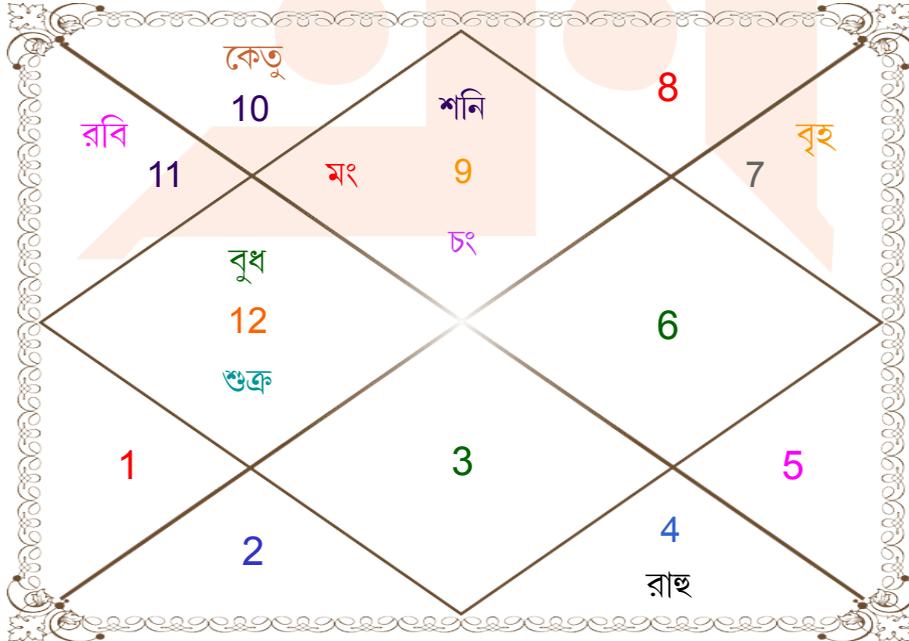
Rukmendrashakya1998@gmail.com

জন্ম কুন্ডলী

নগ্ন কুন্ডলী



চন্দ্র কুন্ডলী



Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

শুক্র বুধ			
রবি			রাহু
কেতু			
শনি চং লং মং		বৃহ	

লগ্ন কুন্ডলী

		শুক্র বুধ	
			রবি
রাহু			কেতু
	বৃহ		লং চং মং শনি

বিংশোত্তরী

শুক্র 5ব 5মা 18দি

শুক্র

12/03/2018

30/08/2123

শুক্র	29/08/2023
রবি	29/08/2029
চন্দ্র	29/08/2039
মঙ্গল	29/08/2046
রাহু	29/08/2064
বৃহস্পতি	29/08/2080
শনি	29/08/2099
বুধ	30/08/2116
কেতু	30/08/2123

য়োগিনী

সিদ্ধা 1ব 10মা 29দি

সঙ্কটা

08/02/2020

08/02/2028

সঙ্কটা	19/11/2021
মঙ্গলা	08/02/2022
পিঙ্গলা	20/07/2022
ধান্যা	21/03/2023
ভ্রামরী	08/02/2024
ভদ্রিকা	20/03/2025
উল্কা	20/07/2026
সিদ্ধা	08/02/2028

Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			ধনু	21:43:35	359:25:45	পূর্বাষাঢ়া	3	20	বৃহ	শুক্র	বৃহ	---
রবি			কুম্ভ	27:06:31	00:59:55	পূ' ভাদ্রপদ	3	25	শনি	বৃহ	শুক্র	শত্রুরাশি
চং			ধনু	23:01:19	11:48:41	পূর্বাষাঢ়া	3	20	বৃহ	শুক্র	শনি	সমরাশি
মং			ধনু	02:31:23	00:34:53	মূলা	1	19	বৃহ	কেতু	শুক্র	মিত্ররাশি
বুধ			মীন	14:41:18	01:22:33	উ ভাদ্রপদ	4	26	বৃহ	শনি	রাহু	নীচস্থ
বৃহ	ব		তুলা	29:06:13	00:00:30	বিশাখা	3	16	শুক্র	বৃহ	রবি	শত্রুরাশি
শুক্র			মীন	11:56:59	01:14:33	উ ভাদ্রপদ	3	26	বৃহ	শনি	চং	উচস্থ
শনি			ধনু	13:55:25	00:03:31	পূর্বাষাঢ়া	1	20	বৃহ	শুক্র	শুক্র	সমরাশি
রাহু			কর্ক	20:21:25	00:01:36	অশ্লেষা	2	9	চং	বুধ	শুক্র	শত্রুরাশি
কেতু			মক	20:21:25	00:01:36	শ্রবণা	4	22	শনি	চং	কেতু	শত্রুরাশি
ইউ			মেঘ	02:19:01	00:02:57	অশ্বিনী	1	1	মং	কেতু	শুক্র	---
নেপ			কুম্ভ	20:06:04	00:02:16	পূ' ভাদ্রপদ	1	25	শনি	বৃহ	বৃহ	---
প্লু			ধনু	26:45:09	00:01:12	উত্তরাষাঢ়া	1	21	বৃহ	রবি	রবি	---
দশম ভাব			তুলা	07:01:17	--	স্বাতী	--	15	শুক্র	রাহু	রাহু	--

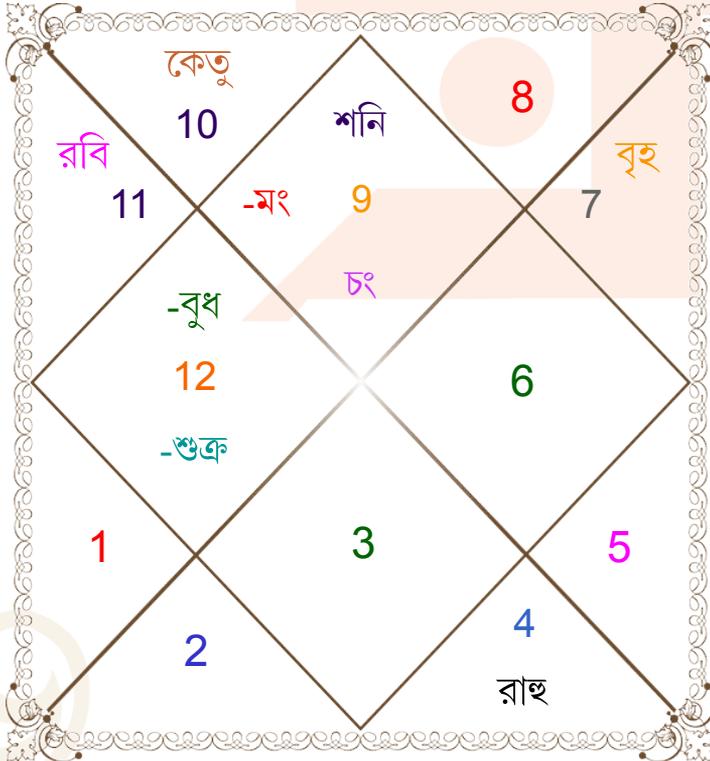
ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

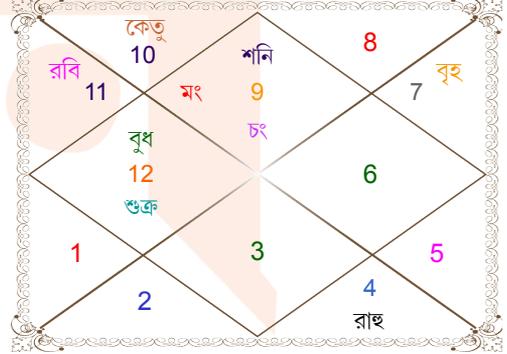
রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 24:06:28

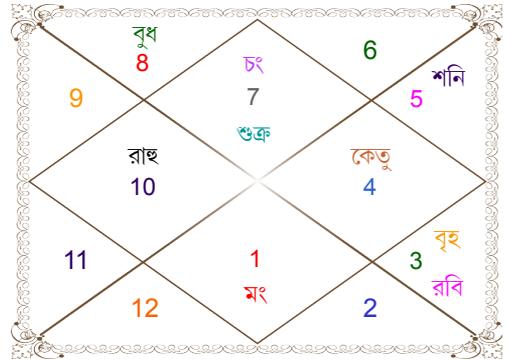
লগ্ন চলিত



চন্দ্র কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সন্ধি	ভাব মধ্য
1	ধনু	09:16:32
2	মকর	09:16:32
3	কুম্ভ	14:22:26
4	মীন	19:28:20
5	মেঘ	19:28:20
6	বৃষ	14:22:26
7	মিথুন	09:16:32
8	কর্কট	09:16:32
9	সিংহ	14:22:26
10	কন্যা	19:28:20
11	তুলা	19:28:20
12	বৃশ্চিক	14:22:26

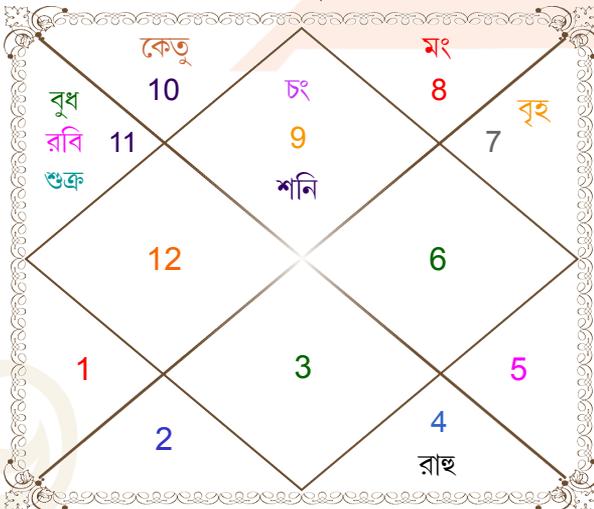
নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	ধনু	21:43:35
2	মকর	27:42:38
3	মীন	04:42:27
4	মেঘ	07:01:17
5	বৃষ	03:45:02
6	বৃষ	27:29:04
7	মিথুন	21:43:35
8	কর্কট	27:42:38
9	কন্যা	04:42:27
10	তুলা	07:01:17
11	বৃশ্চিক	03:45:02
12	বৃশ্চিক	27:29:04

তারা চক্র

জন্ম	সম্পত	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ	রেবতী	অশ্বিনী
ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা	মঘা
পূ ফাল্গুনী	উ ফাল্গুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাতী	বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা	মূলা

চলিত কুন্ডলী



ভাব কুন্ডলী



Astro RK_SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : শুক্র 5 বর্ষ 5 মাস 18 দিন

শুক্র 20 বর্ষ	রবি 6 বর্ষ	চং 10 বর্ষ	মং 7 বর্ষ	রাহু 18 বর্ষ
12/03/2018 29/08/2023	29/08/2023 29/08/2029	29/08/2029 29/08/2039	29/08/2039 29/08/2046	29/08/2046 29/08/2064
00/00/0000	রবি 17/12/2023	চং 29/06/2030	মং 26/01/2040	রাহু 11/05/2049
00/00/0000	চং 17/06/2024	মং 28/01/2031	রাহু 12/02/2041	বৃহ 05/10/2051
00/00/0000	মং 22/10/2024	রাহু 29/07/2032	বৃহ 19/01/2042	শনি 11/08/2054
00/00/0000	রাহু 16/09/2025	বৃহ 28/11/2033	শনি 28/02/2043	বুধ 27/02/2057
00/00/0000	বৃহ 05/07/2026	শনি 30/06/2035	বুধ 25/02/2044	কেতু 18/03/2058
12/03/2018	শনি 17/06/2027	বুধ 28/11/2036	কেতু 23/07/2044	শুক্র 18/03/2061
শনি 29/08/2019	বুধ 23/04/2028	কেতু 29/06/2037	শুক্র 22/09/2045	রবি 09/02/2062
বুধ 29/06/2022	কেতু 29/08/2028	শুক্র 28/02/2039	রবি 28/01/2046	চং 11/08/2063
কেতু 29/08/2023	শুক্র 29/08/2029	রবি 29/08/2039	চং 29/08/2046	মং 29/08/2064

বৃহ 16 বর্ষ	শনি 19 বর্ষ	বুধ 17 বর্ষ	কেতু 7 বর্ষ	শুক্র 20 বর্ষ
29/08/2064 29/08/2080	29/08/2080 29/08/2099	29/08/2099 30/08/2116	30/08/2116 30/08/2123	30/08/2123 00/00/0000
বৃহ 17/10/2066	শনি 02/09/2083	বুধ 26/01/2102	কেতু 26/01/2117	শুক্র 30/12/2126
শনি 29/04/2069	বুধ 12/05/2086	কেতু 23/01/2103	শুক্র 28/03/2118	রবি 30/12/2127
বুধ 05/08/2071	কেতু 20/06/2087	শুক্র 23/11/2105	রবি 03/08/2118	চং 30/08/2129
কেতু 11/07/2072	শুক্র 20/08/2090	রবি 30/09/2106	চং 04/03/2119	মং 30/10/2130
শুক্র 12/03/2075	রবি 02/08/2091	চং 29/02/2108	মং 31/07/2119	রাহু 30/10/2133
রবি 29/12/2075	চং 02/03/2093	মং 25/02/2109	রাহু 18/08/2120	বৃহ 30/06/2136
চং 29/04/2077	মং 11/04/2094	রাহু 15/09/2111	বৃহ 24/07/2121	শনি 13/03/2138
মং 05/04/2078	রাহু 15/02/2097	বৃহ 21/12/2113	শনি 02/09/2122	00/00/0000
রাহু 29/08/2080	বৃহ 29/08/2099	শনি 30/08/2116	বুধ 30/08/2123	00/00/0000

- ❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভভোগ আধারিত দশা ভোগ্যকাল শুক্র ৫ ব ৫ মা ১৭ দি হয় ।
- ❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময় । বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্ণিত, আয়ুনির্ণয় ব্যতীত ।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

রবি - বৃহ		রবি - শনি		রবি - বুধ		রবি - কেতু		রবি - শুক্র	
16/09/2025		05/07/2026		17/06/2027		23/04/2028		29/08/2028	
05/07/2026		17/06/2027		23/04/2028		29/08/2028		29/08/2029	
বৃহ	25/10/2025	শনি	29/08/2026	বুধ	31/07/2027	কেতু	30/04/2028	শুক্র	29/10/2028
শনি	10/12/2025	বুধ	18/10/2026	কেতু	19/08/2027	শুক্র	22/05/2028	রবি	16/11/2028
বুধ	21/01/2026	কেতু	07/11/2026	শুক্র	09/10/2027	রবি	28/05/2028	চং	16/12/2028
কেতু	07/02/2026	শুক্র	04/01/2027	রবি	25/10/2027	চং	08/06/2028	মং	07/01/2029
শুক্র	28/03/2026	রবি	21/01/2027	চং	20/11/2027	মং	15/06/2028	রাহু	02/03/2029
রবি	11/04/2026	চং	19/02/2027	মং	08/12/2027	রাহু	04/07/2028	বৃহ	20/04/2029
চং	06/05/2026	মং	11/03/2027	রাহু	23/01/2028	বৃহ	21/07/2028	শনি	17/06/2029
মং	23/05/2026	রাহু	02/05/2027	বৃহ	05/03/2028	শনি	11/08/2028	বুধ	08/08/2029
রাহু	05/07/2026	বৃহ	17/06/2027	শনি	23/04/2028	বুধ	29/08/2028	কেতু	29/08/2029
চং - চং		চং - মং		চং - রাহু		চং - বৃহ		চং - শনি	
29/08/2029		29/06/2030		28/01/2031		29/07/2032		28/11/2033	
29/06/2030		28/01/2031		29/07/2032		28/11/2033		30/06/2035	
চং	23/09/2029	মং	12/07/2030	রাহু	21/04/2031	বৃহ	02/10/2032	শনি	28/02/2034
মং	11/10/2029	রাহু	13/08/2030	বৃহ	03/07/2031	শনি	18/12/2032	বুধ	21/05/2034
রাহু	26/11/2029	বৃহ	10/09/2030	শনি	27/09/2031	বুধ	25/02/2033	কেতু	23/06/2034
বৃহ	05/01/2030	শনি	14/10/2030	বুধ	14/12/2031	কেতু	26/03/2033	শুক্র	28/09/2034
শনি	23/02/2030	বুধ	13/11/2030	কেতু	15/01/2032	শুক্র	15/06/2033	রবি	27/10/2034
বুধ	07/04/2030	কেতু	25/11/2030	শুক্র	15/04/2032	রবি	09/07/2033	চং	14/12/2034
কেতু	24/04/2030	শুক্র	31/12/2030	রবি	13/05/2032	চং	19/08/2033	মং	17/01/2035
শুক্র	14/06/2030	রবি	11/01/2031	চং	27/06/2032	মং	16/09/2033	রাহু	13/04/2035
রবি	29/06/2030	চং	28/01/2031	মং	29/07/2032	রাহু	28/11/2033	বৃহ	30/06/2035
চং - বুধ		চং - কেতু		চং - শুক্র		চং - রবি		মং - মং	
30/06/2035		28/11/2036		29/06/2037		28/02/2039		29/08/2039	
28/11/2036		29/06/2037		28/02/2039		29/08/2039		26/01/2040	
বুধ	11/09/2035	কেতু	10/12/2036	শুক্র	09/10/2037	রবি	09/03/2039	মং	07/09/2039
কেতু	11/10/2035	শুক্র	15/01/2037	রবি	08/11/2037	চং	24/03/2039	রাহু	30/09/2039
শুক্র	05/01/2036	রবি	26/01/2037	চং	29/12/2037	মং	04/04/2039	বৃহ	19/10/2039
রবি	31/01/2036	চং	12/02/2037	মং	02/02/2038	রাহু	01/05/2039	শনি	12/11/2039
চং	14/03/2036	মং	25/02/2037	রাহু	05/05/2038	বৃহ	26/05/2039	বুধ	03/12/2039
মং	13/04/2036	রাহু	29/03/2037	বৃহ	25/07/2038	শনি	23/06/2039	কেতু	12/12/2039
রাহু	30/06/2036	বৃহ	26/04/2037	শনি	29/10/2038	বুধ	19/07/2039	শুক্র	06/01/2040
বৃহ	07/09/2036	শনি	30/05/2037	বুধ	23/01/2039	কেতু	30/07/2039	রবি	13/01/2040
শনি	28/11/2036	বুধ	29/06/2037	কেতু	28/02/2039	শুক্র	29/08/2039	চং	26/01/2040

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাক্ষ, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সূস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

মূলাক্ষ	3
ভাগ্যাক্ষ	8
মিত্র অক্ষ	3, 5, 7, 9, 8
শত্রু অক্ষ	1, 4,
শুভ বর্ষ	21,30,39,48,57
শুভ দিন	রবি, বৃহ, মঙ্গ
শুভ গ্রহ	রবি, বৃহস্পতি, মঙ্গল
মিত্র রাশি	মীন, সিংহ
মিত্র লগ্ন	মীন, সিংহ, তুলা
অনুকূল দেবতা	হনুমান
শুভ রত্ন	পোখরাজ
শুভ উপরত্ন	টোপাজ, হলুদ হকীক
ভাগ্য রত্ন	মাণিক্য
শুভ ধাতু	কাংস
শুভ রং	পীত
শুভ দিক্	পূর্বোত্তর
শুভ সময়	সন্ধ্যা
দান পদার্থ	হলুদ, পুস্তক, পীত পুষ্প
দান অন্ন	ডাল ছোলা
দান দ্রব্য	ঘী

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

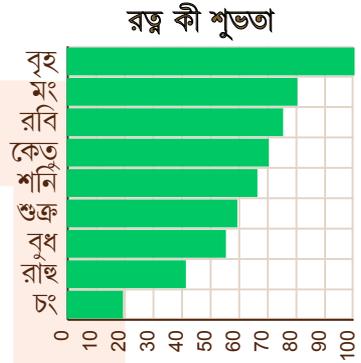
Rukmendrashakya1998@gmail.com

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को परिणामात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की यति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दशांश है।

नीचे जन्मकण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही केटोन सा ग्रह किस त्रे में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसको रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसे ५०-१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसे कार्य त्रे अनुसार व अनकल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनको रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अस्तित्व जिसे २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समर्थन नर उनको रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
पोखराज	बृह	100%	धनार्जन, स्वास्थ्य, सुख
प्रवाल	मंग	80%	स्वास्थ्य, सन्तति सुख, कम खर्च
माणिक्य	रवि	75%	परक्रम, भाग्योदय
वैदूर्यमणि	केतु	70%	धन, स्वास्थ्य
नीला	शनि	66%	स्वास्थ्य, धन, परक्रम
हीरा	शुक्र	59%	सुख, शत्रु एवं रोग मुक्ति, धनार्जन
पान्ना	बुध	55%	सुख, दम्पति, व्यवसायिक उन्नति
गोमेद	राह	41%	दुर्घटना, रोग
मुञ्ज	चंग	19%	रोग, दुर्घटना



दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मुञ्ज	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	वैदूर्यमणि
शुक्र	29/08/2023	62%	0%	80%	61%	100%	72%	72%	52%	77%
रवि	29/08/2029	88%	31%	86%	55%	100%	44%	53%	16%	58%
चंग	29/08/2039	81%	44%	80%	61%	100%	59%	66%	16%	58%
मंग	29/08/2046	81%	31%	92%	34%	100%	59%	66%	16%	77%
राह	29/08/2064	62%	0%	67%	55%	100%	66%	72%	58%	58%
बृह	29/08/2080	81%	31%	86%	34%	100%	44%	66%	41%	70%
शनि	29/08/2099	62%	0%	67%	61%	100%	66%	78%	52%	58%
बुध	30/08/2116	81%	0%	80%	67%	100%	66%	66%	41%	70%
केतु	30/08/2123	62%	0%	86%	55%	100%	66%	53%	16%	83%

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে ঠেয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং ঠেয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	12/03/2018-24/01/2020	-----	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	13/07/2034-27/08/2036	-----	-----
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	-----

দ্বিতীয় চক্র

সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	08/12/2046-06/03/2049	10/07/2049-04/12/2049	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076

তৃতীয় চক্র

সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	16/01/2076-11/07/2076	11/10/2076-15/01/2079	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	20/03/2084-21/05/2086	21/05/2086-08/02/2087	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	02/07/2093-18/08/2095	-----	-----
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	03/12/2102-29/11/2105	-----	-----

শনির ঠেয়া ফল

ঠেয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	সম	স্বাস্থ্য
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	শুভ	ধন
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	সম	সুখ
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	অশুভ	দুর্ঘটনা
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	অশুভ	ব্যয়

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতীর প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

ॐ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতীর শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ ত্রযংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।

উবার্গকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্ষীয় মা মৃতাত।।

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ হোং জুং স ॐ ভূর্ভুব স্ব ॐ।।

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটা ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটা ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

ॐ শং শনৈশ্চরায় নম ।

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।

ईर्ष्या “कृष्ण”

जब वर या कन्या की कुंडली में मङ्गल लग्ना, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो माङ्गलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तृविनाशश्च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।**

यदि जातक जातिकार कुष्ठीते मङ्गल ग्रह चतुर्थ घर, सप्तम घर, अष्टम घर वा द्वादश घरे स्थित হয় তবে এটাকে মাঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্টিতে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

যদি আপনার কোষ্টিতে মঙ্গল প্রবল হয় তবে। আপনি একজন মাঙ্গলিক। তার ফলস্বরূপ আপনি অবশ্যই খিটখিটে মেজাজের হবেন এবং ত্যধিক উদ্বেজনার জন্য অসুখে কষ্ট পাবেন। আপনি অবশ্যই প্রভাবশালী বা সম্মানীয় পুরুষ বা মহিলা হবেন। আপনাকে অত্যধিক কঠিনতার মধ্যে দিয়ে আপনার গুরুত্বপূর্ণ কাজ করতে পারবেন। মঙ্গলের প্রভাবে আপনার বিবাহে দেরী হোতে পারে এবং স্থির করার পরেও বিবাহ সম্বন্ধ ভেঙ্গে যেতে পারে। আপনার স্ত্রী সুস্বাস্থ্যের অধিকারিনী হবেন এবং আপনি সুখী দাম্পত্য জীবন যাপন করবেন। আপনার কুষ্টিতে মঙ্গল প্রথম অথবা চতুর্থ ঘরের দিকে যাওয়ার সময় আপনাকে কঠোর পরিশ্রম করতে হতে পারে জীবনে স্বাচ্ছন্দ্য আনার জন্য। আপনার গাড়ী ও বাড়ী হবে। মঙ্গল অষ্টম ঘরে অবস্থান করার জন্য আপনাকে কিছু গুরুত্বপূর্ণ কাজে বাধার সম্মুখীন হোতে হবে। কিন্তু অবশেষে আপনার বিজয় প্রাপ্তি হবে। মঙ্গলের কুপ্রভাব নষ্ট করার জন্য এবং ভাল ফলের জন্য আপনি অবশ্যই একজন মাঙ্গলিক মহিলাকে বিবাহ করবেন। যার মানে আপনার মাঙ্গলিক দোষ পূর্ণভাবে মুক্ত হয়েছে। এর জন্য স্ত্রীর কুষ্টিতে প্রথম, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম ও দ্वादশ স্থানে মঙ্গল, শনি, রাহু অথবা অন্য পাপ গ্রহের অবস্থান হওয়া উচিত। আপনি অবশ্যই মাঙ্গলিক দোষমুক্তির পরেই বিবাহ করবেন।

তাহোলে আপনি ভালো স্বাস্থ্য ও মানসিক শান্তির অধিকারী হবেন এবং আপনার জীবনে সম্পদ এবং বিলাসিতার জোয়ার আসবে। আপনি অবশ্যই নিজের বাড়ী ও গাড়ীর অধিকারী হবেন।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

কালসর্প যোগ

অগ্নে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গৃহা।
যোগা যং কালসর্পাখ্যো শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গৃহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গৃহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-
৩. আলুকি ৪. কৃষ্ণিকাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. ককোটিক ৯. শংখচূড় ১০.
ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেযনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গৃহ গৃহিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধ যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গৃহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গৃহে কিছু গৃহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবৎ উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।

॥ त्रिपिण्डी श्राद्ध ॥

- पंचम भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है।
- नवम भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है।
- त्रिक भाव का स्वामी लग्न में स्थित है और उस पर शनि का प्रभाव है।

आपकी कुंडली में शनि और इधम के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में सूर्य पितृदोष कारक ग्रह है अतः पिता के पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गायत्री जप, सूर्योपासना, आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ, आक की समिधा से हवन करें। रविवार को गाय या बैल को गेहूँ और गुड़ खिलाएं।

आपकी कुंडली में मंगल पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा क्रोधवश किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आपको नौकर, छोटे भाईयों को दान देना चाहिए।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह सूर्यबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांड़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

হানুৱাওঁ কব্ব

শুক্র

কুন্তরাশির তৃতীয়স্থানে রবির অবস্থানের ফলে আপনার ভালো মানসিক ক্ষমতার আভাষ দেয়। আপনি হিরো হবার বা নেতৃত্ব দেবার যোগ্য, আপনি আপনার কাজে পরিষ্কার এবং স্পষ্টবক্তা। আপনি ধর্মীয় এবং ভালো গুণ্ধপাঠে অনুরাগী। আপনার সহোদর বা জ্ঞাতি ভাই-বোন সকলে স্বভাবে ভালো, বিশ্বাসী এবং আপনার বাধ্য, সহযোগী। সাংসারিক সুখশান্তির জন্য আপনি ওদের দোষত্রুটি মাপ করে দেবেন এবং ভুলে যাবেন।

আপনার জন্মের সময় সূর্য তৃতীয়স্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতার স্বাস্থ্য ভাল থাকবে। তিনি আপনাকে শক্তিশালী ও সাহসী করে গড়ে তুলবেন এবং সঠিক পথে চালনা করতে সহায়তা করবেন।

আপনি আপনার পিতাকে শ্রদ্ধা ও মান্য করবেন এবং কিছু মতপার্থক্য ছাড়া আপনারা নির্বিঘ্নে জীবনযাপন করবেন। আপনি আপনার পিতাকে সর্বদা খুশী রাখার চেষ্টা করবেন। আপনারা একে অপরের প্রতি সৌভাগ্যবান বলে বিবেচিত হবেন।

চন্দ্র

প্রথমস্থানে চন্দ্রের অবস্থানের ফলে আপনি ভাগ্যবান হবেন যা দীর্ঘ এবং সফল জীবনযাপনে আপনাকে সাহায্য করে। আপনার খুব ছোট আঘাত লাগতে পারে যার প্রতি যত্নবান না হলে তা জটিল হয়ে উঠতে পারে। আপনার মুখ অন্যকে প্রভাবিত করবে। এরফলে আপনি গর্ব অনুভব করবেন এবং বেশীরভাগ বিষয়ে আপনি যথেষ্ট তর্ক করবেন, আপনি মিষ্টভাষী কিন্তু জোরে কথা বলেন।

স্বাস্থ্য ও সম্পদের অধিকারী হয়ে আপনি রহস্য ও গুপ্তবিদ্যার প্রতি আগ্রহী হবেন। আপনি এগুলির উপর পড়াশুনা করবেন না। আপনি জ্ঞানার্জনের জন্য অনেক স্থানে ভ্রমণে যাবেন। যদি আপনি দিবাস্বপ্ন দেখার অভ্যাস থেকে মুক্ত না হন, একদিন হয়তো হতাশাগ্রস্ত হয়ে ভুগবেন।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্রের অবস্থান নির্দেশ করে যে আপনি অত্যন্ত বলবান হবেন।

আপনার জীবন আড়ম্বর ও বিলাসপূর্ণ হবে। আপনার কোনদিন বিত্তের অভাব হবে না এবং আপনি বরাবর আপনার মাকে কাছে পাবেন।

আপনার মা সর্বদা আপনাকে বাধ্য সন্তানরূপে পাবেন এবং আপনারা একে অন্যের প্রতি আস্থাশীল হবেন। আপনার সাফল্যের পেছনে আপনার মায়ের বৃহৎ অবদান থাকবে।

মঙ্গল

মঙ্গল যদিও বশুগৃহে অবস্থান করে, কিন্তু তা আপনার আগ্রহকে এতোটা দমিয়ে দেয় যে আপনি শারিরিক মানসিক উভয়দিক থেকেই আক্রান্ত হতে পারেন। আপনার সমস্যা এমনও হতে পারে যে অন্যের কাছে তা বলতেও পারবেন না। তা চুপচাপ সহ্য হতে হবে। পুরোপুরি একটা কষ্টময় দিকের ভবিষ্যত বানী করে।

যদিও আপনার বেশীরভাগ সমস্যার মূল কারণ যা তা হল যতটা সম্ভব প্রেমের ব্যাপার থেকে সরে থাকা এবং যৌনসম্ভোগ আয়ত্বে আনতে হবে। গৃহগত কুপ্রভাব থেকে মুক্ত হতে আপনি ধার্মিক হতে পারেন এবং আধ্যাত্মিক ও গুপ্তবিদ্যায় নিজেকে নিয়োজিত করবেন।

শিশুটির জন্ম সময়ে প্রথম ঘরে মঙ্গলের অবস্থান ছিল, যা ইংগিত করে যে তার ভাই ও বোনদের স্বাস্থ্য ঠিকঠাক থাকবে। কিন্তু তারা মাঝে মাঝে দৈহিকভাবে দুর্বল ও অসুস্থ অনুভব করবে।

সে তার ভাই বোনদের ভালোবাসবে কিন্তু তাদের মধ্যে মাঝে মাঝে বিবাদ হবে। খুব শীঘ্র তাদের সবকিছু স্বাভাবিক হয়ে যাবে।

বুধ

মীনরাশির চতুর্থস্থানে বুধ বক্রী হওয়ায় মায়ের সঙ্গে আপনার সম্পর্ক ভালো নাও হতে পারে। পৈতৃকসম্পত্তির অধিকার অর্জনও বিশেষ সহজ হবে না, কারণ এই সম্পত্তি নিয়ে অনেক বিতর্ক ও সমস্যা থাকবে। সুন্দর গৃহের জন্য এক ঘর থেকে অন্য ঘরে খুঁজে বেড়াবেন সেই সুন্দর গৃহও আপনি আশা করতে পারেন না।

যেহেতু আপনার শিক্ষাগত যোগ্যতা থাকবে না তাই জমির কারবার, ফুলের বাগান, কো-অপারেটিভ কিংবা স্থাপত্য সংক্রান্ত পেশাকে বেছে নিতে পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে, যেহেতু এইসব বিষয়ে আপনি আগ্রহী। আপনার জীবনে সফলতা দেরী করে আসবে।

বৃহস্পতি

তুলারাশির একাদশস্থানে বৃহস্পতির অবস্থানের ফলে আপনার আশা আকাঙ্ক্ষা পূর্ণ হবে। যারা শিক্ষকতা জ্যোতিষী এবং ব্যাঙ্ক চাকুরীতে, তারা অর্থনৈতিক ভাবে ভাল করবেন।

ধনুলগ্ন যদিও ইংগিত করে যে বড়বোনদের সঙ্গে আপনার ভাল সম্পর্ক থাকবে, একাদশস্থানে বৃহস্পতি এর বিপরীত ফল দেয় এবং এর বদলে বড়ভাইদের কাছ থেকে আপনি বেশী উপকৃত হবেন যারা আপনার সঙ্গে ঘনিষ্ঠ থাকবে।

আপনার বন্ধুর বিস্তৃতি অনেক বড় হবে এবং তাদের কাছে আপনি সহযোগীতার আশা করতে পারেন। আপনার বন্ধুরা খুব উচ্চশিক্ষিত হবেন। সমাজে আপনি অনেক শিক্ষিত এবং ব্যবসায়ীর সংস্পর্শে আসবেন।

শুক্র

মীনরাশির চতুর্থস্থানে শুক্র বক্রী হওয়ায় সম্ভবত আপনার পিতামাতার স্বাস্থ্য খারাপ থাকবে। আপনি মা বাবাকে গভীরভাবে ভালবাসেন এবং আপনি তাদের প্রতি ভীষন বিশ্বাসী হবেন। পরবর্তী জীবনে আপনার গলায় এবং শ্বাসনালীতে রোগ হতে পারে।

পৈতৃকসম্পত্তির এক বিরাট অংশ আপনি উত্তরাধিকার সূত্রে পাবেন, যার দ্বারা আপনি

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

রাজকীয়ভাবে জীবনযাপন করতে পারবেন। আপনার শিক্ষাগত যোগ্যতা এমন হবে যে লেখক হয়ে জীবনকে উজ্জ্বল করে তুলতে পারবেন। গৃহনক্ষত্র সংক্রান্ত জ্ঞানের দিকেও আপনি গভীর আগ্রহী হবেন।

শনি

ধনুরাশিতে শনির অবস্থান ভাল ও মন্দ ফল মিলিয়ে মিশ্রফল দেয়, তবে খারাপের চেয়ে ভালটাই বেশী হবে। একটি সমস্যা দেখা যাচ্ছে তাহলে আপনার দেহের কোন অঙ্গে খুঁত আসতে পারে। যদি তা হয় তাহলে আপনি অবশ্যই এ ব্যাপারে দৃষ্টিগত হবেন এবং উদাস হয়ে যাবেন। তবে এইনিয়মে আপনার অধিক চিন্তার প্রয়োজন নেই, এর ক্ষতিপূরণ হিসাবে আপনার অগাধ সম্পত্তি এবং মানিয়ে চলার মতো যোগ্য জীবনসার্থী এবং সন্তান হবে।

আপনার স্বভাবে পরিবর্তন দেখা দেবে, তাতে আপনার কোন হাত নেই। মোটামুটি বুদ্ধিমান হিসাবে আপনি অনুভব করবেন যে ভাগ্য আপনার সহায়ক। ফলে আপনি ধনী হবেন এবং সকলের প্রতি সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেবেন। এভাবে অন্যকে সাহায্য করে আপনি আনন্দিত হবেন।

রাহু

কর্কটরাশির অষ্টমস্থানে রাহুর অবস্থানের ফলে গুপ্তবিদ্যায় আপনার কোন আগ্রহ নেই। একারণে যারা গুপ্তবিদ্যায় আগ্রহী তাদের ভ্রামিতে আপনি বিরক্ত হতে পারেন। তারা আপনার প্রতি ব্যঙ্গ-বিদ্রুপ, টিপ্পনিও কাটতে পারে যা আপনাকে খুব কষ্ট দেবে এবং তা সত্ত্বেও গুপ্তবিদ্যার প্রতি আপনার অনীহা থাকবে এবং কঠিনভাবে এসবের প্রতি বিরোধীতা প্রদর্শন করবেন। উত্তরাধিকার নিয়েও সমস্যা থাকবে এবং সম্পত্তি পেতে আপনি মামলা করবেন। কিন্তু আপনি হেরে যাবেন এবং আদৌ কোন সম্পত্তি আপনার হবে না।

আপনি স্বশুরবাড়ী থেকে কোন পণ পাবেন না এবং এর ফলে ভুল বোঝাবুঝির সৃষ্টি হবে। তাছাড়া এই পণ পেলে বিয়ের পর আপনার ঘর-খরচা চালাবার অনেক সুবিধা হোত।

নিজের এবং আপনার সম্পদের বীমা করিয়ে নেবার উপদেশ দেওয়া হচ্ছে। যেহেতু চুরি-ডাকাতি এবং দুর্ঘটনা ঘটান সমূহ ইংগিত আছে। আপনার আয় সাধারণ মানের হবে। দুর্ঘটনায় আপনার মৃত্যু হতে পারে।

কেতু

মকররাশির দ্বিতীয়স্থানে কেতুর অবস্থানের ফলে ইংগিত করে যে অর্থকরী ব্যাপারে আপনি কিছু অসুবিধার মধ্যে পড়বেন। উপরে উঠবার জন্য আপনি অনেক প্রচেষ্টা চালাবেন। অর্থকরী ব্যাপারে আপনার লিখতে ও জানতে খুব আগ্রহ থাকবে। সর্বদা আপনি অর্থ যোগাতে অথবা উপার্জনে ব্যস্ত থাকবেন। তা সত্ত্বেও আপনার অর্থাভাব থাকবে এবং প্রয়োজনীয় কাজে আপনি ধার করবেন। এভাবে আপনি দেনায় পড়বেন। কঠিন সংগ্রাম এর মধ্যে দিয়েই উন্নতির আভাস।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- রবি
(29/08/2023 - 29/08/2029)

সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ আরম্ভ এবং তার ৬ বছর পরে ২৯/০৮/২০২৯ সমাপ্ত হবে। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সূর্য তৃতীয় ভাবে স্থিত আছে। সূর্য গ্রহ সাহস, শক্তি, আত্মবিশ্বাস, সামর্থ্য ও প্রভুত্ব সূচনা করে, কিন্তু তৃতীয় ভাব ওজস্বিতা, শক্তি, নিকট যাত্রা ও মানসিক অভিরুচির প্রতিনিধিত্ব করে। এই দশা কালে আপনি সুখ সম্পত্তি, ভালো স্বাস্থ্য এবং লাভদায়ক রোজগারের সুযোগ প্রাপ্ত করবেন।

স্বাস্থ্য :

এই দশায় আপনার স্বাস্থ্য ভালো থাকবে। আপনি নিজের কার্য সম্পাদন পূর্ণ ওজস্বিতা এবং শক্তি দ্বারা করবেন। আপনার জীবনী শক্তি অতি উত্তম হবে এবং আপনি অত্যন্ত প্রসন্নচিত্ত ও আশাবাদী থাকতে সমর্থ হবেন।

কিন্তু, শুভ দশার সর্বোত্তম লাভ প্রাপ্ত করার জন্য আপনার অতি আগ্রহ ও ক্রিয়াশীলতা পরিহার করা উচিত। স্বাস্থ্য সম্বন্ধীয় কিছু সাধারণ সমস্যায় আপনি ভুগতে পারেন।

অর্থ :

আপনি আত্মীয় পরিজন এবং প্রতিবেশীদের কাজ থেকে লাভ পাবেন। আপনি নিকট যাত্রা এবং যাতায়াতের সমস্ত লাভ প্রাপ্ত করবেন। এই দশায় করা যে কোনো কাজ-কর্ম লেখা-পড়া করে করা বা ক্রয়-বিক্রয় ব্যবসা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। এই দশা আপনার জন্য আর্থিক দিক থেকে অত্যন্ত সফল প্রমাণিত হবে।

ব্যবসায় :

চাকুরীরত ব্যক্তির এই দশায় অত্যন্ত শুভ ফল প্রাপ্ত করবেন। কার্যক্ষেত্রে আপনার স্থিতি উত্তম হবে। আপনি উচ্চপদাধিকারীদের অনুগ্রহ প্রাপ্ত করবেন এবং আপনার পদোন্নতি হওয়ার সম্ভাবনা আছে। আপনি আপনার ব্যবসায় বা কর্ম ক্ষেত্রে অত্যধিক লাভ পাবেন। ব্যবসায় যুক্ত ব্যক্তির নিজের অংশীদার ও প্রতিদ্বন্দীদের সঙ্গে লেন-দেন করার সময় সাবধানতা অবলম্বন করুন। কর্ম সম্বন্ধীয় বা জীবন বৃত্তি সম্বন্ধীয় নিকট যাত্রাকালে কিছু বাধা বা অসুবিধার সৃষ্টি হতে পারে। আপনার সম-সাময়িক ও সহযোগী কর্মচারীরা আপনাকে আপনার কাজে সাহায্য করবেন। ব্যবসায় উন্নতি ও প্রগতির জন্য এই দশা অতি উত্তম হবে। যদি আপনি কমিশন এজেন্ট বা কোনো রকম দালালীর কাজ করেন তাহলে এই দশা আপনার জন্য শুভকারক।

কুটুম্ব :

আপনার সন্তানদের জন্য এই দশা অত্যন্ত শুভ ও আর্থিক দৃষ্টি থেকে এই দশা সফল সিদ্ধ হবে। আপনার পত্নী ভাগ্যশালিনী হবেন, তিনি কোনো সুদূর যাত্রার অবসর পাবেন, আধ্যাত্মিকতায় তাঁর রুচি বাড়বে। এ ছাড়া তিনি প্রভুত্ব ধন প্রাপ্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন। আপনার মাতার অর্থ প্রাপ্তি ঘটলেও তাঁর অত্যধিক অর্থ ব্যয় হওয়ার সম্ভাবনা আছে। ধার্মিক এবং দান-পুণ্যের কার্যে ব্যয়ের সম্ভাবনা আছে। আপনার পিতা সর্বরকম সুখ-সুবিধা প্রাপ্ত করবেন এবং অংশীদারীর কাজেও লাভ পাবেন। আপনার বড় ভাই

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

ও বোনেদের জন্য এই সময় অনুকূল থাকবে এবং তাঁরা আধ্যাত্মিক এবং বৌদ্ধিক কার্যে রুচি দেখাবেন।

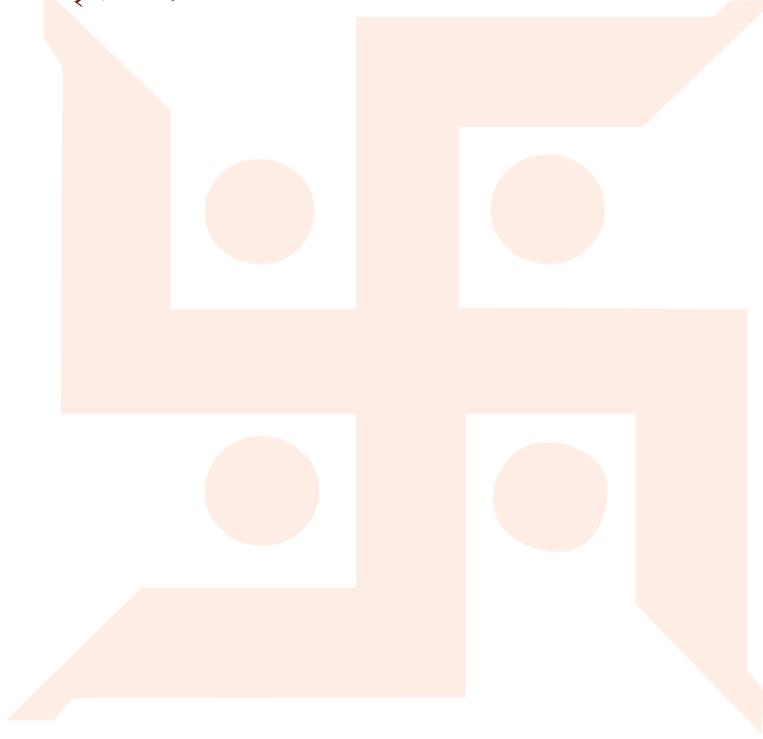
শিক্ষা :

আপনি বাদ-প্রতিবাদ প্রতিযোগিতা, সাংবাদিকতা ও ক্রয়-বিক্রয় সংক্রান্ত বিষয়ে খুব ভালো করবেন। ভৌতিক শাস্ত্র, বিজ্ঞান চর্চা এবং বৈদ্যুতিক বিষয় সংক্রান্ত বিষয়ে শিক্ষা-দীক্ষা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। আপনি একজন অত্যন্ত ভালো খেলোয়াড় হবেন ও বহিরাঙ্গন বিষয়ক গতিবিধিতে শ্রেষ্ঠত্ব অর্জন করবেন।

আপনি বেদান্ত এবং অন্যান্য বৈদিক সাহিত্য শিক্ষা ও চর্চা করবেন। আপনি সংস্কৃতি ভাষা অধ্যয়ন করতে পারেন। যান্ত্রিক বিদ্যা সম্বন্ধীয় বিষয় আপনার জন্য লাভদায়ক প্রতিপন্ন হবে।

পরামর্শ :

শুভ ফল বৃদ্ধির জন্য ভগবান শিবের আরাধনা করুন।



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

अन्तर्दशा :- रवि - बृहस्पति
(16/09/2025 - 05/07/2026)

आपनार सूर्येर महादशा २९/०८/२०२३ प्रारम्भ হয়েছিল। এই মহাদশায় বৃহস্পতির অন্তর্দशा ভোগ্যকাল ৯ মাস ১৮ দিন। ইহা ১৬/০৯/২০২৫ আরম্ভ হয়ে ০৫/০৭/২০২৬ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দशा অধিপতি বৃহস্পতি ধন, সন্তান ও ধর্মের কারক।

এই দশায় আপনি অর্থ, প্রসিদ্ধি ও সম্মান লাভ করবেন। আপনি ফাটকাবাজী ও পূর্ব বিনিবেশ থেকে অর্থোপার্জন করবেন। সন্তানদের থেকে সুখ প্রাপ্ত করবেন। কোনো শিশুর জন্ম হতে পারে। আপনার মধ্যে সৃজনাত্মক ক্ষমতা বৃদ্ধি পাবে। আপনার মন পুরাণ অধ্যয়ন ও ধর্মাচারে নিরত হবে। ভাইয়ের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ খুবই ভালো থাকবে। আপনার লাভজনক ভ্রমণ হতে পারে। আপনার জীবনের প্রতি দৃষ্টিকোণ বিস্তৃত হবে।

জীবনসংগী ফাটকা, বিনিবেশ থেকে লাভ পাবেন তিনি সন্তান সুখ ভোগ করবেন। আপনার পিতা লেখনীর দ্বারা, প্রতিবেশী ও সাধারণ পরিচিতদের থেকে লাভ প্রাপ্ত করবেন। আপনার মাতার আধ্যাত্মিকতায় রুচি বৃদ্ধি হবে ও তিনি ধন লাভ করবেন। আপনার ভাই-বোনদের অর্থ লাভ সুদূর যাত্রা এবং পরিবারের সকলের সঙ্গে সুসম্বন্ধ স্থাপিত হবে। আপনার সন্তানরা শিক্ষায় উন্নতি করবে। সন্তানদের মধ্যে কোনো একজনের বিবাহ হওয়া সম্ভব। সন্তানদের জীবিকায় প্রভূত উন্নতি যোগ বিদ্যমান।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে উন্নতির জন্য কিছু প্রতিযোগিতার সম্মুখীন হতে হবে। পরামর্শদাতারা প্রচুর অর্থোপার্জন করবেন। ব্যবসায়ীরা সফল ও ব্যস্ত থাকবেন।

কান ও পেটের রোগ হতে পারে। শুব্র বৃদ্ধির জন্য হলুদ বস্তুর দান করুন।

अन्तर्दशा :- रवि - शनि
(05/07/2026 - 17/06/2027)

বর্তমানে আপনার সূর্যের মহাদशा বিদ্যমান। এই মহাদশার ষষ্ঠ অন্তর্দशा শনি গৃহের, এই অন্তর্দशाধি কাল ১১ মাস ১২ দিন। আপনার জন্ম ০৫/০৭/২০২৬ আরম্ভ ও ১৭/০৬/২০২৭ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দशा অধিপতি শনি আয়ু সন্ন্যাস ও দার্শনিক স্বেভাবের কারক গৃহ।

আপনি শত্রুদের বিনাশ করায় সফল হবেন। বিরোধী ও অসুস্থতার সঙ্গে লড়ার শক্তি আপনার মধ্যে বিদ্যমান থাকবে আপনার বিবাহ হতে পারে। ছোট ভাই বোনদের থেকে খুশী লাভ করবেন। আপনি কোনো সংস্থা বা বিভাগের অধ্যক্ষ পদ প্রাপ্ত করতে পারেন। যদি সরকারী চাকুরীতে নিরত থাকেন তাহলে সফল হবেন।

জীবনসংগীর ধন লাভ হতে পারে। অচল সম্পত্তি ক্রয় করতে পারে। আপনার পিতা অর্থ বিনিবেশ থেকে লাভ পাবেন। আপনার মাতার জমি-জায়গা সংক্রান্ত বিষয় থেকে লাভ হবে ও তিনি তীর্থ যাত্রায় যেতে পারেন। আপনার ভাই-বোনের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ খুবই ভালো হবে। তারা সুপ্রতি বন্ধুদের থেকে লাভ পাবেন। আপনার সন্তানরা আপনার সঙ্গে ভালো সম্বন্ধ রাখলেও বিবাদ থেকে নিজেকে বাঁচিয়ে রাখুন।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে আপনার ধন লাভ ও সৌভাগ্য বৃদ্ধির সম্ভাবনা প্রবল। পরামর্শদাতাদের অচল সম্পত্তি প্রাপ্তিতে বৃদ্ধি হবে। ব্যবসায়ীরা অত্যধিক খরচ করা থেকে সাবধান থাকুন।

স্নায়ুতন্ত্রের খেয়াল রাখুন এবং দুর্বলতা বোধ হলে সাবধান থাকুন। কণ্ঠের থেকে মুক্তি পাওয়ার জন্য শনি গৃহের আরাধনা ও কালো বস্তুর দান করুন।

**অন্তর্দর্শা :- রবি - বুধ
(17/06/2027 - 23/04/2028)**

আপনার সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশায় সপ্তম অন্তর্দর্শা বুধের, যার দশা ভোগকাল ১০ মাস ৬ দিন হবে। ইহা ১৭/০৬/২০২৭ আরম্ভ হয়ে ২৩/০৪/২০২৮ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা অধিপতি বুধ বুদ্ধিমত্তা, শিক্ষা, বাণী ইত্যাদির কারক।

এই দশায় আপনি ভূমি লাভ করবেন ও সুখ-স্বাস্থ্যবৃদ্ধি পাবেন। স আপনার মিত্রতা হবে ও মামারবাড়ীর লোকেদের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ মধুর হবে। আপনার বাস স্থান বদল হতে পারে। জমি-জায়গা বা পৈত্রিক ধন লাভ হতে পারে। মাতার থেকে সুখ পাবেন। জীবনসংগী তার পরিবার থেকে সম্পত্তি লাভ করবেন। শত্রুদের উপর বিজয় লাভ করবেন। কর্মস্থলে লাভজনক পরিবর্তন হতে পারে। সংস্থা-সংগঠন, ব্যবসায়, বিজ্ঞান বা সন্চার মাধ্যম থেকে লাভ প্রাপ্তি হবে। আপনি উচ্চপদ প্রাপ্ত করবেন।

জীবনসংগী বা ব্যবসার অংশীদারের ধন ও সুনাম প্রাপ্ত হবে। আপনার পিতা উপহার ইত্যাদি দ্বারা বিনা পরিশ্রমে ধন লাভ করতে পারেন। আধ্যাত্মিকতায় তাঁর আগ্রহ বৃদ্ধি হতে পারে। আপনার মাতার বর্তমান সময় সৌভাগ্যবর্ধক। তাঁর সাথে আপনার সম্বন্ধ মধুর হবে। ছোটো ভাই-বোন ধনার্জন করবে, বড় ভাই-বোনের জীবন স্তর অপরিবর্তিত থাকবে। আপনার সন্তান প্রতিযোগিতায় সফল হবে ও তার কাজে কোনো বাধা আসবে না।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে বেতন বৃদ্ধি হবে। পরামর্শদাতাদের বর্তমান সময় সর্বোত্তম হবে। ব্যবসায়ীদের কঠিন পরিশ্রম করতে হবে।

হৃদয় ও স্নায়ুতন্ত্রের রোগ থেকে সাবধান থাকুন। অনিষ্ট থেকে বাঁচার জন্যে দেবী দুর্গার আরাধনা করুন।

**অন্তর্দর্শা :- রবি - কেতু
(23/04/2028 - 29/08/2028)**

আপনার সূর্যের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৩ আরম্ভ হয়ে ছিল। এর মধ্যে অষ্টম অন্তর্দর্শা কেতুর, যা ৪ মাস ও ৬ দিন অবধি থাকবে। এই দশা ২৩/০৪/২০২৮ আরম্ভ হবে ও ২৯/০৮/২০২৮ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা অধিপতি কেতু সন্ম্যাস, মন্ত্র জ্ঞান ও কণ্ঠের কারক গৃহ।

এই দশায় আপনার পারিবারিক জীবন সুখী হবে। আপনার ধন সঞ্চিত হবে ও সব রকম সুবিধা উপভোগ করবেন। অর্থের লেন-দেন করার সময় সাবধান থাকুন, কারন কিছু লোকসান হতে পারে। আপনি সতর্কতার সঙ্গে কাজ করলে শত্রুদের উপর বিজয় লাভ করবেন। আপনি অপ্রত্যাশিত ধন লাভ করতে

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

মহাদশা :- চন্দ্র
(29/08/2029 - 29/08/2039)

আপনার কুন্ডলীতে চন্দ্রের মহাদশা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ হবে এবং ১০ বছর পরে ২৯/০৮/২০৩৯ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুন্ডলীতে চন্দ্র প্রথম ভাবে অবস্থিত থাকায় আপনার জন্ম লগ্নকে শক্তি প্রদান করছে, যা আপনার শারীরিক গঠন, জীবন-শক্তি, তেজস্বিতা, সমৃদ্ধি এবং দীর্ঘায়ুর প্রতিনিধিত্ব করে। আগামী ১০ বছর অবধি আপনি সন্তুষ্টির সাথে-সাথে শান্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন যা এই দশাবধি কালে আপনাকে পরিপূর্ণ সুখ দেবে।

স্বাস্থ্য :

চন্দ্র লগ্নে অবস্থিত, যা জ্যোতিষ মতে কেন্দ্র ও ত্রিকোণ স্থান। এই স্থিতি সুখী ও সুস্বাস্থ্য সূনিশ্চিত করে। এই দশা কালে কোনো সাংঘাতিক রোগ বা দুর্ঘটনা ঘটানো সম্ভাবনা নেই। আপনি নিজেকে অত্যন্ত শক্তিশালী অনুভব করবেন এবং দৈনিক কার্যে সুষ্ঠুভাবে সম্পাদন করতে সমর্থ হবেন। আপনি শারীরিক ভাবে সুন্দর, স্বভাবে ভাবুক, কৌতুহলী, ব্যগ্র ও অধৈর্য্য হবেন।

ধন সম্পত্তি :

আপনার মস্তিষ্ক ও বুদ্ধি ধনোপার্জনের প্রতি অত্যন্ত প্রবল হবে। যেহেতু দশমেশ চন্দ্র মস্তিষ্কের কারক গ্রহ। আপনি নিজের ধন-সম্পত্তি বৃদ্ধি করবেন। আপনার অর্থ সঞ্চয় ও সম্পত্তি বৃদ্ধি হওয়ার প্রবল সম্ভাবনা আছে।

ব্যবসায় :

চন্দ্রের এই দশায় আপনার অবস্থা ও কার্য আপনাকে সন্তুষ্টি প্রদান করবে। যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে উন্নতির সম্ভাবনা প্রবল। যদি ব্যবসায়ী হন তাহলে ব্যবসা-বিস্তার এবং নতুন কার্য সম্পাদনে সমর্থ হবেন। আপনার মাথায় নতুন ও রচনাত্মক চিন্তা আসবে যার দ্বারা সহকর্মী ও উচ্চাধিকারীর প্রশংসা লাভ করবেন। চন্দ্রদশার কারণে আপনার ব্যবসায় সুদৃঢ় স্থিতি পাওয়ায় এবং আপনার ন্যায়প্রিয়তা ও ব্যবহার আপনাকে প্রসিদ্ধি দান করবে। আপনি এমন কোনো ব্যবসা শুরু করতে পারেন যা নিয়মিত উপর-নীচ হওয়ার সম্ভাবনা যুক্ত হবে। আপনি একজন সতর্ক ব্যক্তি এবং বিশেষাধিকার প্রাপ্ত করতে ইচ্ছুক থাকবেন।

পারিবারিক জীবন :

সম্পন্ন ভাব, যা পারিবারিক জীবন ও অংশীদারী ব্যবসার দ্যোতক, সম্প্রতি চন্দ্রের দৃষ্টি হওয়ার কারণে আপনার অংশীদারী ব্যবসা এবং পারিবারিক জীবন অতি উত্তম হবে।

আপনার জীবনসার্থী আপনাকে পূর্ণ সহযোগিতা প্রদান করবে এবং তিনি সুন্দর হবেন। আপনার মাতা আপনাকে পারিবারিক জীবনে সাহায্য করবেন এবং আপনার সন্তানরাও আপনার আঞ্জা পালনকারী হবে। আপনার পিতা আপনার ব্যবসায় সহায়তা করবে যা আপনার আত্মবিশ্বাস বাড়াবে।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

৩০ বছর বয়সের পরে আপনি উচ্চশিক্ষার প্রতি এবং ধার্মিক গ্ৰন্থ অধ্যয়নে সচেত্ৰ হবেন। যদি আপনি শিক্ষাকে নিজের জীবনযাপনের বৃত্তি হিসাবে গ্ৰহণ করেন এবং শিক্ষা-দীক্ষার সঙ্গে যুক্ত থাকেন তাহলে সফলতা প্রাপ্ত করবেন।



Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com

অন্তর্দর্শা :- চন্দ্র - চন্দ্র
(29/08/2029 - 29/06/2030)

চন্দ্রের মহাদশা কাল ১০ বর্ষের। আপনার জন্য এই দশা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ হয়ে ২৯/০৮/২০৩৯ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় চন্দ্রের অন্তর্দর্শাবধি কাল ১০ মাসের। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ এবং ২৯/০৬/২০৩০ সমাপ্ত হবে।

চন্দ্র আপনার জন্মপত্রিকায় লগ্নে স্থিত। লগ্ন শারীরিক গঠন, আকৃতি, স্বাস্থ্য, জন্মজাত স্বভাব অ অভ্যাস, সম্মান, গরিমা, সামান্য শুবুত্ব, শরীরের উপরী ভাগ, আয়ু ও জীবনের রূপরেখা ইত্যাদির পরিচায়ক।

লগ্নে চন্দ্র স্থিত হওয়ার ফলে আপনি সুন্দর হবেন। এই সময়ে আপনার পারিবারিক ও সাংসারিক সুখ ও মাতার সান্নিধ্য প্রাপ্ত করবেন। আপনার পত্নী সুন্দর হবেন। বিপরীত লিঙ্গের ব্যক্তি আপনার প্রতি আকর্ষিত হবে। তাদের সাথে আপনার প্রগাঢ় সম্বন্ধ স্থাপিত হতে পারে। আপনার মূড সময়-সময়ে বদলাতে পারে। ক্রোধের বশে কোনো কাজ করবেন না, ধৈর্য ধারণ করুন। উত্তম আয় ও পদ লাভ হবে।

অন্তর্দর্শা :- চন্দ্র - মঙ্গল
(29/06/2030 - 28/01/2031)

চন্দ্রের মহাদশা ১০ বছরের হয়। আপনার এই দশা ২৯/০৮/২০২৯ আরম্ভ হয়ে ২৯/০৮/২০৩৯ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় মঙ্গলের অন্তর্দর্শা ভোগকাল ৭ মাস পর্যন্ত। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২৯/০৬/২০৩০ আরম্ভ এবং ২৮/০১/২০৩১ সমাপ্ত হবে।

মঙ্গল আপনার জন্মপত্রিকায় লগ্নে অবস্থিত আছে। লগ্ন ভাব শারীরিক গঠন, আকৃতি, স্বাস্থ্য, জন্মজাত স্বভাব ও অভ্যাস, সম্মান, গরিমা, সামান্য শুবুত্ব, শরীরের উপরি ভাগ, আয়ু ও জীবনের রূপরেখা ইত্যাদির পরিচায়ক। লগ্নে স্থিত হয়ে মঙ্গল জন্মপত্রিকার ৪, ৭, ৮ ভাবের উপর দৃষ্টিপাত করছে। মঙ্গল উৎসাহ, উদ্দীপনা ও সাহসিকতার কারক এবং অগ্নিতত্ত্ব প্রধান গুহ।

এই দশাবধি কালে আপনি সাহসী, উচ্চাকাঙ্ক্ষী ও হঠকারী হবেন। দুর্ঘটনা থেকে বাঁচার জন্য সাবধান থাকুন। সাংসারিক জীবন আপনার নিজের ক্রোধের কারণে বিনষ্ট হতে পারে। আপনি মাসুলিক, অতএব আপনার জীবনসংগী ও মাসুলিক হলে শুবুফল প্রদায়ক হবে।

এই দশাবধি কালে আপনি প্রভূত সম্পত্তি প্রাপ্ত করায় সমর্থ হবেন। শুবুত্ব বৃদ্ধির জন্য ১১০০০ বার মঙ্গলের বৈদিক মন্ত্র জপ করুন।

Astro RK SHAKYA

Jaipur, Rajasthan

8949754174

Rukmendrashakya1998@gmail.com